# आज का पुरुषार्थ, 4 June 2022

**From**: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

**धारणा** – *" आज से सभी फ़िक्र बाबा को देकर निश्चिंत जीवन का अनुभव करते चले "*

संगमयुग का **श्रेष्ठ अवसर स्वयं भगवान हमें साथ दे रहा है।** उसने कह दिया है ... " *बच्चे मन के सारे बोझ मुझे देकर तुम हल्के हो जाओ*"

और एक बहुत सुन्दर बात कह दी ... " ***जो बाप सारे संसार का बोझ उठाता है क्या वो अपने बच्चों का बोझ नहीं उठायेंगे?***"

विश्वास करे अपने प्यारे पिता की शक्तियों पर, उनके वचनों पर और सच्चे मन से अपने मन के बोझ उन्हें अर्पित कर दे। यह भी एक सुन्दर तरीका है **समर्पण** करने का कि ...

" मन की सारी tension, मन के सारे बोझ, जीवन की सारी समस्यायें उनके हवाले करके निश्चिंत होकर जीवन जीये "

कई लोग जीवन की समस्यायें तो बाबा को दे देते है, लेकिन चिन्तायें खुद करते रहते है। बोझ तो **अर्पित** कर देते है लेकिन मन फिर भी भारी रहता है।

तो ऐसे में समस्यायें समाप्त नहीं हो सकती। क्योंकि **रहस्य** यह है कि जब हम **मन के बोझ और चिन्तायें बाबा को अर्पित करके हल्के हो जाये**, निश्चिंत हो जाये तब ही बाबा की शक्तियाँ और उनकी प्रेरणाओं को हम कैच कर सकेंगे। और तब ही हमारा जीवन निश्चिंत हो सकेगा। समस्याओं से मुक्त हो सकेगा।

अगर चिन्ताओं में हम ग्रसित है तो बाबा की प्रेरणायें हम तक पहुंचेगी ही नहीं। तो हल भी नहीं निकलेगा।

*" बच्चे अपने सारी फ़िक्र मुझे देकर तुम बेफ़िक्र बादशाह बन जाओ .. फ़िक्र मुझे देकर तुम फ़खुर ले लो "*

सबसे बड़ा फ़खुर यह है कि .. " **कौन मुझे मिला है** .. किसने बाथ देने का वचन दिया है .. कौन हमारी समस्याओं को हर रहा है .. कौन हमारी सिर

पर छत्रछाया बन गया है .. कौन हमें हाथ पकड़ के चला रहा है .. राह दिखा रहा है "

**यह सुन्दर अनुभूति करते हुए बेफिक्र बादशाह बन जाये।** यहाँ के बेफिक्र बादशाह ही जन्म जन्म के बादशाह बनेंगे। क्योंकि जो निश्चिंत है, जो बेफिक्र है वही बहुत शक्तिशाली है।

तो आइये हम ड्रामा के ज्ञान को याद करते हुए स्वयं को बहुत **हल्का** कर दे, बहुत हल्का ..

" जैसे कि बाबा का हाथ पकड़कर सर्वशक्तिमान को साथी बनाकर हम जंगल की राजा शेर की तरह इस कांटो के जंगल, कलियुगी संसार में विचरण कर रहे है "

यह बहुत सुन्दर स्थिति होगी। तो आज सारा दिन हम याद रखेंगे कि ...

" मैं बेफ़िक्र बादशाह हूँ "

**" बापदादा सामने है .. और हम .. बोझ की गठरी बँधकर बाबा को दे रहे है ..... ' लो बाबा ' ...."**

**और उधर से बाबा कह रहे ....**

*" बच्चे, मैने तुम्हारे बोझ ले लिए .. अब तुम निश्चिन्त हो जाओ .. मैं आपेही उचित समय पर इन सबको ठीक कर दूंगा "*

यह अभ्यास हम बार-बार करेंगे। और साथ साथ बहुत प्रैक्टिस करेंगे कि ..

***" मैं मास्टर सर्वशक्तिमान हूँ .. मैं बहुत शक्तिशाली हूँ .. मेरे साथ स्वयं भगवान है "***

**इसलिए याद रखेंगे** .. " *यदि मैं निश्चिंत नहीं रहूँगा तो भला संसार में और कौन रहेगा?* "

इस अनुभव के साथ सारा दिन बहुत आनन्द में बितायेंगे।

।। ओम शान्ति ।।

**BK Google**: www.bkgoogle.org

**Website**: www.shivbabas.org